This question paper contains **2** printed pages]

G—173—2018

FACULTY OF ARTS

M.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

OCTOBER/NOVEMBER, 2018

HINDI

Paper XI

(हिंदी साहित्य का इतिहास, भाग-1)

(Friday, 30-11-2018) **Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.**

Time—3 *Hours* *Maximum Marks*—75

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए हिंदी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ विशद कीजिए। 20

अथवा

जैन साहित्य का परिचय देते हुए उसकी काव्य-प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

2. भक्तिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए। 20

अथवा

संत काव्यधारा की परंपरा को स्पष्ट करते हुए उसकी काव्य-प्रवृत्तियों को विश्लेषित कीजिए।

3. रीतिकाल की सामान्य परिस्थितियों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

रीतिसिद्ध काव्यधारा की काव्य-प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **15-20** पंक्तियों में लिखिए : 5

(*i*) हिंदी साहित्य के प्रारंभिक काल के नामकरण के संदर्भ में विभिन्न विद्वानों के मतों की चर्चा कीजिए।

(*ii*) रासो साहित्य का परिचय दीजिए।

P.T.O.

(*iii*) सूफी साहित्य की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

(*iv*) रीतिमुक्त काव्यधारा के कवियों का परिचय संक्षेप में लिखिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5

(*i*) जॉर्ज ग्रियर्सन ने हिंदी साहित्य का इतिहास किस भाषा में लिखा है?

(*ii*) आदिकाल को 'सिद्ध-सामंत युग' किसने कहा है?

(*iii*) 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार कौन हैं?

(*iv*) सूरदास किस काव्यधारा के कवि हैं?

(*v*) 'सुजान सागर' किसकी रचना है?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) 'शिवसिंह सरोज' के लेखक.....हैं।

(*ii*) .....ने रीतिकाल को शृंगार काल कहा है।

(*iii*) .....सर्वप्रथम सिद्ध माने जाते हैं।

(*iv*) 'विनय पत्रिका'.....की प्रसिद्ध काव्य-कृति है।

(*v*) आचार्यत्व और कवित्व का निर्वाह.....काल के कवियों की विशेषता है।

0015BA338C244778283CA8AF349191A8